हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 16 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने किया पौधारोपण

मण्डला। कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रीमती संपतिया उइके ने सोमवार को सिविल अस्पताल नैनपुर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। उन्होंने परिसर में आम और अमरूद के पौधे लगाए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णा पंजवानी मौजूद थे।

उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव का उर्वरक विक्रय लाइसेंस निरस्त

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश अनुसार जिले के खाद एवं उर्वरक विक्रय केन्द्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इस कड़ी में उत्तम ट्रेडर्स ग्राम पेटेगांव जिला-मण्डला के विरुद्ध की गई जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित फर्म का उर्वरक विक्रय लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। उप संचालक कृषि श्री अश्वनी झारिया ने बताया कि 8 जुलाई को जनसुनवाई में उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव के बारे में शिकायत आई थी। कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी मधु अली के नेतृत्व में चार सदस्यीय जांच दल गठित किया गया था। जांच में पाया गया कि मे. उत्तम ट्रेडर्स पेटेगांव द्वारा बिना क्रय देयक के उर्वरक खरीद कर बिना विक्रय देयक के उर्वरक विकृय किया गया है। यह कृत्य उर्वरक नियंत्रण अधिनियम 1985 का उल्लंघन है, अधिनियम की धारा 31 की उपधारा 2 का प्रयोग करते हुए संबंधित फर्म का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर दण्डात्मक कार्रवाई की गई है।

पंचायतों के उप निर्वाचन हेतु ई.व्ही.एम. मशीनों की कमीशिनिंग 16 को

मण्डला। पंचायत उप निर्वाचन 2025 (पूर्वार्द्ध) 16 जुलाई को रानी फूलकुवंर शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मण्डला के छात्रावास से ई.व्ही.एम. मशीनों की कमीशिनिंग की जाएगी। तत्पश्चात मण्डला के स्ट्राँग रूम से जनपद पंचायत नैनपुर के अस्थाई स्ट्राँग रूम में शिफ्ट किये जायेंगे। ई.व्ही.एम. 16 जुलाई से 26 जुलाई 2025 तक जनपद स्तर के अस्थाई स्ट्रांग रूम पर रखे जायेंगे एवं सरपंच के रिक्त पद का निर्वाचन 22 जुलाई 2025 को कराया जाना है, जिसके लिये रिटर्निंग ऑफिसर जनपद पंचायत नैनपुर से 21 जुलाई को प्रातः 10 बजे से मतदान दल मतदान केन्द्रों के लिये रवाना होंगे।

रेल सेवाओं के विस्तार से यात्रियों को मिलेगी सुविधाएं

नैनपुर से पेंचवेली एक्सप्रेस की हुई शुरुआत

*** सांसद और मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

छिंदवाड़ा से इंदौर तक जाने वाली गाड़ी संख्या 19344 पेंचवेली एक्सप्रेस के विस्तार के बाद सोमवार को पहली बार ट्रेन मंडला जिले के नैनपुर स्टेशन से इंदौर के लिए रवाना की गई। इस ट्रेन को मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, मंडला सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नैनपुर के प्लेटफॉर्म पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष नैनपुर श्रीमती कृष्णा पंजवानी, दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे मंडल नागपुर के मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता के साथ रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी सहित अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती उइके ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास ने नए आयाम स्थापित कर रहा है। उनके 11 साल के कार्यकाल में देश में 813 नई ट्रेनें स्वीकृत हुई है। आज नैनपुर से इंदौर तक चलने वाली इस ट्रेन से क्षेत्र की जनता को यात्रा करने में आसानी होगी, उनका समय बचेगा और सफ़र आसान हो जाएगा। क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए महानगर में जाना पड़ता था अब उन्हें इस समस्या से निजात मिलेगी। अमृत भारतीय स्टेशन योजना के अंतर्गत मंडला फ़ोर्ट स्टेशन पर सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। शीघ्र ही इस रेल का परिचालन मंडला फ़ोर्ट से किया जाएगा, इसके लिए केंद्रीय रेल मंत्री से भी चर्चा की गई है। रीवा-इतवारी एक्सप्रेस ट्रेन इसी का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि नैनपुर रेल समपार ओवरब्रिज बनाए जाने का प्रस्ताव भी केंद्र सरकार को प्रेषित किया जा चुका है।

सांसद श्री कुलस्ते ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेलवे के कर्मचारियों और क्षेत्र की जनता को बधाई देते हुए कहा कि बहुप्रतीक्षित माँग आज पूरी हुई है। मंडला फोर्ट स्टेशन के विकसित होने का काम अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया जा रहा है। इस कड़ी में बालाघाट, सिवनी, नैनपुर, मंडला, गोटेगाँव आदि स्टेशन को अमृत स्टेशन से जोड़ा गया है और इनमें द्रुतगति से कार्य किया जा रहा है। यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए सरकार प्रयासरत है। इसके अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए भी मूलभूत सुविधाएँ प्रदान की जा रही है। क्षेत्र में ट्रेनों के परिचालन होने से बड़े शहरों और राज्यों की राजधानी तक जुड़ाव आसानी से हो जाएगा। इसके अलावा पर्यटन की दृष्टि से हम देखें तो कान्हा नेशनल पार्क, पेंच नेशनल पार्क और बांधवगढ़ नेशनल पार्क भी आपस में जुड़ जायेंगे। उन्होंने आने वाले समय में नैनपुर-मण्डला रेलवे स्टेशनों में सुविधाओं के विस्तार के साथ अन्य यात्री गाड़ियों के विस्तार में रीवा से पुणे और जबलपुर से रायपुर ट्रेन के शुरू होने की बात भी बताई।

सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि रेल लोगों को आपस में जोड़ने का काम करती है। अपने सफ़र में यह कई ज़िलों से होकर अपने गंतव्य तक जाती है जिसमें कई लोग आपस में मेलजोल करते हैं। उन्होंने बताया कि पहले लम्बे समय तक नैरो-गेज का सफ़र किया है, इसके बाद ब्रॉड-गेज की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय हुई थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को महानगरों से जोड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए केंद्र सरकार ने लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है। इस क्षेत्र में रेलवे के विस्तार के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय रेल मंत्री का आभार जताया। पेंचवेली एक्सप्रेस में सांसद द्वय श्री फग्गन सिंह कुलस्ते और श्रीमती भारती पारधी ने नैनपुर से सिवनी तक का सफर भी किया।

जल जीवन मिशन अंतर्गत जल आपूर्ति योजना के संचालन और रख-रखाव पर दिल्ली में आयोजित हुई राष्ट्रीय कार्यशाला

*** जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांश कूमट हुए शामिल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरी एवं प्रबंध संचालक श्री वीएस चौधरी द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया। इसमें जीआईएस तकनीक का उपयोग कर जल योजनाओं की मॉनिटरिंग और संचालन की कार्यप्रणाली का विस्तृत विवरण साझा किया गया। नई दिल्ली में आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में जिला पंचायत मंडला सीईओ श्री श्रेयांश कूमट ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में ऑनलाईन जल गुणवत्ता प्रबंधन, जल आपूर्ति और संरचनाएं, जीओ जी टैग, पारदर्शी लेखा प्रणाली, नल कनेक्शनों की आवधिक कार्य क्षमता का मूल्यांकन, जल जीवन मिशन डैशबोर्ड से संबंधित डेटा सार्वजनिक डोमेन में उपलब्धता, जल आपूर्ति प्रणालियों की निगरानी के लिए सेंसर आधारित लॉट डिवाईस आदि पर विस्तृत चर्चा की गई।

एक पेड़ माँ के नाम अन्तर्गत महाविद्यालय में वृक्षारोपण

मण्डला। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला केअंतर्गत में एक पेड़ माँ के नाम श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 15 जुलाई 2025 को डॉक्टर अनिल गुप्ता प्राचार्य के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस श्रृंखला के अंतर्गत निरंतर विभिन्न रूप में महाविद्यालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा महाविद्यालय परिसर में प्रतिदिन एक पेड़ लगाया जा रहा है। एक पेड़ माँ के नाम श्रृंखला के अंतर्गत महाविद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों को भी एक पेड़ माँ के नाम पर लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सभी विद्यार्थियों से अपील की गई है कि अपने निवास स्थान के आसपास या अपनी कृषि भूमि या शासकीय भूमि में पंचायत के सहयोग से अधिकाधिक संस्था में वृक्षारोपण करें। इको क्लब प्रभारी डॉक्टर जुडिका कुजूर एवं डॉ सीमा धुर्वे ने बताया कि सिर्फ पेड़ लगाकर महाविद्यालय को हरा भरा एवं जनजागरूकता लाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस अभियान को व्यक्तिगत सार की अपेक्षा सामूहिक जन जागरूकता के माध्यम से सक्षम बनाने के लिए अधिकारियों /कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को प्रेरित किया जा रहा है।

युवा संगम मेले में 18 का प्रारंभिक और 4 का अप्रेंटिसशिप चयन, 4 हितग्राहियों को लाभ वितरण

मण्डला। मंगलवार को जिला प्रशासन मण्डला के निर्देशानुसार, जिला रोजगार कार्यालय मण्डला, आईटीआई मण्डला एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मण्डला द्वारा संयुक्त रूप से रोजगार युवा संगम मेले का आयोजन नगरपालिका टाउन हॉल मण्डला में आयोजित किया गया। मेले में स्थानीय एवं निजी क्षेत्र की चार प्रतिष्ठित कम्पनियों ने भाग लिया एवं मेले में कुल 41 युवाओं ने पंजीयन कराया। रोजगार युवा संगम मेले में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नरेश सिंधिया, पार्षद एवं अपर कलेक्टर जे.पी. यादव द्वारा माँ सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपस्थित अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एवं मेले के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कम्पनियों द्वारा 18 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन एवं 4 का अप्रेंटिसशिप के लिये चयन किया गया तथा 4 हितग्राहियों को लाभ वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रबंधक शेफाली अग्रवाल द्वारा मंच का संचालन किया गया। कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मण्डला के महाप्रबंधक एनके वास्कले, प्रबंधक प्रदीप जायसवाल, आईटीआई प्लेसमेंट ऑफिसर आनंद मरावी, डी.के. शाहू, जिला रोजगार कार्यालय मण्डला एवं समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

मंगलवार को बिछिया क्षेत्र के 43 बूथ लेवल ऑफिसर्स को दिया गया प्रशिक्षण

मण्डला। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार बूथ लेवल ऑफिसर्स के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र स्तर पर बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन निर्धारित प्रशिक्षण स्थलों पर किया जा रहा है। मंगलवार को जिले के विधानसभा क्षेत्र 105-बिछिया (अजजा) के मतदान केन्द्र क्रमांक 82 से 124 तक कुल 43 बीएलओ के लिए सीएम राईज स्कूल अंजनिया में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 105-बिछिया (अजजा) विधानसभा क्षेत्र के कुल 43 बीएलओ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बीएलओ के कर्तव्य, फार्म 6,7,8 को भरना, मोबाईल ऐप से फार्मों को ऑनलाईन करना, डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान बीएलओ के कर्तव्य आचरण, केस स्टडी, ग्रुप स्टडी, गहन पुनरीक्षण आदि के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र के बाद प्रशिक्षणार्थी बीएलओ का गूगल लिंक के माध्यम से टेस्ट भी लिया जा रहा है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार उक्त प्रशिक्षण को प्राप्त करना सभी बीएलओ के लिए अनिवार्य है। जानबूझकर अनुपस्थित रहने वाले बीएलओ के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

रैली | **नशे से दूरी, है जरुरी पखवाड़ा अंतर्गत निकाली गई जनजागरूकता रैली।**

लोगों को दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ

*** क्या सचमुच नशा मुक्ति को लेकर गंभीर हैं प्रशासन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश पुलिस विभाग की ओर से 'नशे से दूरी, है जरूरी' पखवाड़ा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नशे के विषय में लोगों को जागरूक करने तथा नशे से दूरी के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। मंगलवार को इस पछवाड़े के अन्तर्गत ड्रग अवेयरनेस रन का आयोजन किया गया। पुलिस लाइन से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा और जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयान्स कूमट ने आज मंडला में ड्रग अवेयरनेस रन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल जिले में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से की गई। पुलिस लाइन से शुरू हुई यह रैली जिला मुख्यालय के प्रमुख मार्गों से गुजरी और स्टेडियम ग्राउंड में संपन्न हुई। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम ने सभी उपस्थित लोगों को ''मैं शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं न केवल समुदाय, परिवार, मित्र बल्कि स्वयं को भी नशा मुक्त कराऊंगा क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए। इसलिए आइए हम सब मिलकर अपने जिले को नशा मुक्त कराने का दृढ़ निश्चय करें। इस रैली में बड़ी संख्या में नागरिकों, छात्रों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नशा मुक्ति में आगे आये लोगों को क्या मिलेगा प्रशासनिक सहयोग

नशा मुक्ति को लेकर प्रशासनिक रैली के आयोजन में लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रियायें सामने आई है बहुतो का कहना था कि मध्यप्रदेश की सरकार ने तो मण्डला नगर में वैसे भी नशा मुक्ति कर रखी है वह तो प्रशासन की कृपा से ही नशा लोगों तक पहुंच पा रहा है अन्यथा किसी की क्या मजाल कि प्रतिबंध के बावजूद नगर में पान ठेलों में, किराना दुकानों में, हॉटलों में, ढाबों में और यहां तक कि घर पहुंच सेवा उपलब्ध है इसे रोकने यदि लोगों ने सहयोग देना प्रारंभ किया तो फिर क्या प्रशासन लोगों का साथ देगा या फिर उनका साथ देगा जिनका सहयोग उसे अप्रत्यक्ष रूप से मिलता रहा है।

जिला विपणन अधिकारी की रासायनिक खाद वितरण प्रणाली दूषित

*** रासायनिक खाद डीएपी यूरिया को लेकर भटकते किसान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

रासायनिक खाद वितरण का मतलब है रासायनिक उर्वरकों जैसे यूरिया, डीएपी आदि को किसानों तक पहुंचाना ताकि वे अपनी फसलों के लिए उनका उपयोग कर सकें। इसमें उर्वरकों का सही भण्डारण, परिवहन और और किसानों को सही मात्रा में सही समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। रासायनिक खाद वितरण एक महत्वपूर्ण प्रकिया है जो कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभातीं है जिसमें खाद का भण्डारण परिवहन व वितरण शामिल हैं। किन्तु आज के परिवेश में जिला विपणन विभाग अपनी मनमानी कर रहा है जिले में चार स्थानों में मण्डला, नैनपुर, बिछिया, निवास में रासायनिक खाद का भण्डारण बिक्री की व्यवस्था है जिसमें नियमतः सत्तर प्रतिशत खाद प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को और शेष तीस प्रतिशत नगद बिक्री हेतु है किन्तु देखने में आ रहा की पैक्स के कर्मचारी आर ओ काट कर गोदाम के चक्कर लगा रहे हैं और गोदाम से व्यापारी अपनी गोदाम भरकर किसानों को लूटने में लगे हैं क्षेत्रीय विधायक नारायण सिंह पट्टा ने डीएमओ मण्डला को फोन पर खाद वितरण व्यवस्था सुदृढ़ करने आगाह किया था आज बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बिछिया किसान प्रतिनिधियों राजेन्द्र कुमार साहू, अशोक राजपूत, सुधीर साहू, टेकराम राय, सुनील उयकेआदि उपस्थित हो कर किसानों की खाद उपलब्धता हेतु पैक्स प्रबंधक सुश्री शिल्पी राऊत जिला सहकारी बैंक मण्डला से पधारे श्री तिवारी, अतुल दुबे से चर्चा किया। यही स्थिति सहकारी समिति घुटास, सिझोरा, किकरा खलौडी, दाढ़ी भानपुर, दानीटोला सहकारी समिति की है जहां खाद का परिमिट कटने के बाद भी किसान यूरिया डीएपी खाद के लिए चक्कर लगा रहे हैं किन्तु उनकी सुनने वाला कोई नहीं है जिला कलेक्टर से किसानों का आग्रह है कि जिले में खाद वितरण प्रणाली में व्यापक सुधार करें ताकि किसानों को सही समय सही मात्रा में रासायनिक खाद उपलब्ध हो। अन्यथा किसान आन्दोलन के लिए बाध्य होगा।

इनका कहना है:-

हमने रासायनिक खाद डीएपी यूरिया को लेकर मंडला खाद्य अधिकारी डबल लॉक भंडारण सहित सभी जगह डिमांड किया है किन्तु कही से खाद नहीं आ रही है जो रासायनिक खाद पूर्व में आई थी वो हमने वितरण कर दिया मगर इस समय डिमांड ज्यादा है,

-सुश्री शिल्पी राऊत,
पैक्स प्रबंधक भुआ बिछिया मंडला

खबर संक्षेप

आये दिन चीचली मार्ग रेल्वे गेट पर बन रही जाम की स्थिति, आमजन हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि चीचली ओर जाने वाले मार्ग पर नगर के रेल्वे स्टेशन के समीप बना हुआ गेट नगरवासियों को लगातार परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है। यह बात अलग है कि आमजन की परेशानियों को ध्यान में रखते हुये यहां पर ओवर ब्रज का निर्माण तो किया जा रहा है। मगर उसकी धीमी गति के चलते अनुमान लग रहा है कि शायद यह ब्रिज शायद ही इस समय किये गये पौधा रोपण के पौधा फल देना शुरू कर देगे और इसके के पूर्ण होने की संभावना कम ही दिखाई दे रही है..? वही दूसरी ओर यहां पर अंडर ब्रिज का निर्माण तो किया गया है। मगर इसके अंदर से सिर्फ छोटे वाहन ही निकल पाते है। इस स्थिति में जहां बडे वाहनों को गेट खुलने का इंतजार करते हुये देखा जाता है। आये दिन गेट के दोनों ओर लम्बी लम्बी लाईने लगते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर इस स्थिति में देखा जा रहा है कि एनटीपीसी के लिये लगातार आने वाले कोयला के चलते यहां पर ट्रेनों को आगे पीछे किये जाने के चलते दिन में अनेकों बार कई घंटों तक रेल्वे गेट बंद रहने से जाम की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पा रही है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार को उस समय देखने मिली जब लगभग दो घंटे तक रेलवे गेट बंद रहने के कारण गेट के दोनों ओर वाहनों की लम्बी लाईने लगी हुई देखी गई और लोग चीचली की ओर जाने व वहां से आने के लिये परेशान होते हुये देखे गये।

पति पत्नी को पीटा

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम बसुरिया निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने सास ससुर के साथ घर पर थी उसी दौरान उसका पति घर आया तो महिला ने अपने पति गोपाल अहिरवार से बोला की घर में किराना का समान नही है दुकान से ले आया इस दौरान पति ने अपनी पत्नी से कहा कि पैसा दे दो ले आता हूं। तो पत्नी का कहा कि मेरे पास पैसा नही है। इसी बात को लेकर पति द्वारा गुस्सा में आकर अपनी पत्नी के साथ गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस द्वारा पीड़ित पत्नी की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

मायके में पत्नी के साथ पति ने की मारपीट

गाडरवारा। बीते हुये पंचवटी कालोनी निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसकी शादी ग्राम बधुवार निवासी शैलेन्द्र राजौरिया से हुई थी। मगर शैलेन्द्र शराब पीने का आदि होने के चलते अपने बालक के साथ मायके पंचवटी कालोनी में रहती है। बीते हुये दिवस पीड़िता का पति आया और बार बार बधुवार जाने की बात कहता है। जब पत्नी द्वारा उसके साथ जाने से मना किये जाने की बात को लेकर आरोपी पति द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

ट्रक की टक्कर से कार सवार को पहुंची चोट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सांईखेड़ा थाने के अंतर्गत ग्राम पिपरिया खुर्द निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपनी कार क्रमांक **MP 49 ZB 9811** से दोस्त शिवम राजपूत व हरिगोविंद राजपूत के साथ सांईखेड़ा जा रहे थें। उसी दौरान कामती रोड बंधन बैक के सामने पहुंचें तो सांईखेड़ा ओर से आ रहे एक ट्रक क्रमांक **UP 93 T 5116** के चालक द्वारा अपने ट्रक को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये कार को टक्कर मारते हुये कार को क्षति पहुंचाई वही कार में सबार प्रार्थी सहित उसके साथियों को चोटे अपने पर पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

छः साल पहले तालाब फूटने से बर्बाद हुये ग्रामीण किसानों का कौन था जिम्मेदार

जांच के लिये दिये गये भरोसे का क्या निकला परिणाम, आज तक किसी को नहीं चल पाया कोई पता?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जब क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होती है तो निश्चित तौर से उस पर दुख व्यक्त करने वाले नेताओं से लेकर अधिकारियों की लाईन लगने से नही चूकती है और मौके पर दोषियों पर कार्यवाही करने का भरोसा दिलाने से भी नही चूकते है। मगर ज्यो ज्यो दिन व माह के बाद साल व्यतीत होते जाते हे त्यों त्यों उस घटना को भुला दिया जाता है...? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई आज से लगभग छः साल पहले यानि की 3 सितम्बर 2019 को क्षेत्र में उस समय देखने मिली थी जब सुबह समीपस्थ ग्राम रहमा सहित देवरी के लोगो को उगते हुये सूरज के बीच बर्बादी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा था शायद ही वहां के निवासी उस मंजर को कभी भुला पायेगे...? ज्ञात हो कि उस समय अचानक एक नाले में आये सैलाब के बीच देखते ही देखते सब कुछ चंद निमिटों में उजड़कर चला गया था। वही अनेक लोगों के आवास धराशायी हो गये थें। क्योंकि लोगों के घरों के अंदर बंधे हुये अनेक मवेशी दबकर मर जाने के साथ साथ किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले बर्बाद होने से नही चूक पायी थी। इसको लेकर शुरू से ही यह सबाल पैदा होने से नही चूक रहा था कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन है..? इस सच्चाई को लगभग छः साल का समय बीतने को है। मगर घटना की सच्चाई पर हुई जांच का न तो क्षेत्रवासियों का कोई पता चल पाया है और नही उनकी हुई क्षति की भरपाई हो पाई है..? ज्ञात हो कि जिस तरह से ग्राम रहमा देवरी के पास से निकला हुआ केवलारी नाले में अचानक बाढ़ को जो मंजर देखने मिला था। वह निश्चित तौर से अनेक संदेहों को जन्म देने से नही चूक पा रहा था..? बताया जाता है कि उस नाले में बाढ़ आने की कल्पना कभी नही की जा सकती है। मगर इसके बाद भी अचानक आई इस केवलारी नाले की बाढ़ ने जिस प्रकार से ग्राम रहमा सहित देवरी व अन्य गांवों में जो कहर ढ़ाया गया था उसके चलते अनेक लोग बेघर होने के बाद कई दिनों तक खुले आसमान के नीचे रहने के लिये मजबूर होते हुये देखे गये थें। वही दूसरी ओर अनेक लोगों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो जाने के कारण उनके द्वारा बड़ी मुश्किलों के बीच अपना जीवन व्यतीत करते हुये आज भी देखा जा रहा है..? क्योंकि इस प्रकार से एक छोटे से नाले में अचानक आई उस बाढ़ ने जिस तरह की तबाही मचाई गई थी उसकी सूचना मिलते ही जहां तत्कालीन जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना तथा तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डा. गुरूकरन सिंह सहित क्षेत्र की तत्कालीन विधायक श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा तुरंत क्षेत्र का भ्रमण करते हुये जहां पीड़ितो लोगों को सहायता करने का भरोसा दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। वही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की व्यवस्थाएं भी बनाये जाने के साथ ही साथ इस घटना में हुई क्षति का सर्वे करने के आलवा संपूर्ण घटनाक्रम की जांच के आदेश भी जारी किये थें..? वही दूसरी ओर इस नाले में आई बाढ़ जो इन ग्रामों के लोगों को बर्बादी की कगार पर पहुंचा दिया गया था। मगर उसकी सच्चाई का पता लगाने का प्रयास किया गया था तो जानकारी मिली थी कि जंगल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टूडनी के पास बने हुये पांच तालाबों के रख रखाब में बरती गई लापरवाही का परिणाम था कि उनके फूट जाने के कारण ही केबलारी नाले में इस प्रकार से बाढ़ का मंजर देखने मिला था और उस लापरवाही ने ग्राम देवरी, बारहाबड़ा सहित ग्राम रहमा के अनेक लोगों को बेघर करते हुये बर्बाद करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी? वही दूसरी ओर बीते हुये छः साल पहले इस संबंध में जब राजस्व विभाग के अधिकारी से चर्चा की गई थी तो उनका कहना था कि ग्राम रहमा के पास से निकले हुये केबलारी नालें में अचानक आई बाढ़ का कारण यह है कि जंगल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टूडनी के पास बने हुये 1 वन विभाग का तालाब तथा 4 निजी तालाबों के फूटने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई थी। मगर उन तालाबों के रख रखाब में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ क्या कार्यवाही हुई इस सच्चाई का किसी को आज तक किसी को पता नही चल पाया है..? कही ऐसा तो नही की माता लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते गरीबों की बर्बादी का मंजर सिर्फ जांच की फाईलों में ही दब कर दीमक के हवाले हो गया हो..? इस प्रकार से नाले में तालाब फूटने के कारण आई हुई बाढ़ के कारण जहां अनेक पशु मृत हो गये थें। वही अनेक लोगों के मकान गिर जाने के कारण लोग आवास हीन होने से बेघर होकर पूरा बारिश का मौसम खुले आसमान के नीचे काटते हुये देखा गया था। इस प्रकार से अनेक किसानों के खेतों में अधिक पानी भरने के कारण उनकी फसले भी खराब हुई है जिनका सर्वे कराया जाने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भरोसा भी मिला था...। मगर कार्यवाही के नाम पर क्या हुआ है इस बात का पता खोजने से भी नही मिल पा रहा है..? इस प्रकार से अधिकारियों द्वारा नाले में अचानक आई हुई बाढ़ का तालाब फूटने का कारण तो स्पष्ट कर दिया गया था कि जिसमें एक तालाब वन विभाग का तथा चार तालाब निजी बताये जा रहे थे...? इस सच्चाई के उजागर होने के उपरांत यह सबाल यह पैदा होने से नही चूक पा रहा था कि जो निजी तालाब इस क्षेत्र में बनाये गये थें और वह ग्रामीणों की बर्बादी का कारण साबित हुये थें तो फिर क्या शासन के द्वारा उनकी अनुमति दी गई थी..? इस प्रकार से भले ही इस घटना को पूरा लगभग छः साल का समय बीतने को है। मगर आज भी उस मंजर को याद करते हुये जहां ग्रामीणों की आंखों में आंसू छलकने से नही चूकते है तो दूसरी ओर आज भी बर्बाद हुये लोग इस बात का इंतजार करते हुये देखे जा रहे है कि आखिरकार उनकी इस बर्बादी का जिम्मेदार कौन था और प्रशासन ने उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है...? इतना ही नही इस मामले में इतना लम्बा समय बीते जाने के बाद क्या जांच हुई तथा पीड़ितों के लिये क्या सहायता मिली यह सच्चाई आज तक किसी को कोई पता नही चल पाया है..? वही दूसरी यदि गौर किया जावे तो जिस प्रकार से फूटने वाले तालाब किसके थें और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही हुई है। इस तरह जिले से लेकर तहसील स्तर के अनेक अधिकारी बदल चदल चुके है। मगर इसके बाद भी पीड़ित जन सच्चाई उजागर होने का आज भी इंतजार करते हुये देखे जा रहे है...? वही इस घटना

को लेकर क्षेत्रवासियों का कहना है कि कही ऐसा तो नही कि इस बर्बादी के मंजर की सच्चाई वाली फाईल जांच के नाम पर लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते सरकारी कार्यालय में नीचे दबने के बाद उनको दीमक तो नही खा गये है....? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर इस संबंध में जब ग्राम रहमा के लोगों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि हम वर्षो से देख रहे है कि इस नालें में कितनी भी बारिश हो जावे मगर बीते हुये लगभग छः साल वर्ष पहले 3 सितम्बर 2019 के समान बाढ़ कभी नही आई है और जो बाढ़ आयी थी उसका कारण बारिश नही थी वह तो निश्चित ही किसी न किसी की लापरवाही का ही परिणाम था जो हम लोगों को पूर्णरूप से बर्बाद किये जाने के बाद भी आज तक दोषियों के खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नही हुई है। यह बात सत्य है कि उस समय अनेक जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर नेताओं ने हमारे यहां बर्बादी का मंजर देखते हुये लोगों के पुड़ी तिरकारी बांटते हुये दोषियों पर कार्यवाही का भरोसा दिलाने के लिये हम हर संभव मदद करने की बात कही गई थी। मगर एक पंचवार्षिय कार्यकाल से अधिक समय बीते जाने के बाद भी हमे इस बात का पता ही नही चल पा रहा है कि आखिरकार दोषियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है....?

डिजीटल इंडिया बनाने सपने को इस स्थिति में कहा तक मिल पायेगी सफलता, धान का कटोरा कहे जाने वाले सालीचौका क्षेत्र में आये दिन लेनदेन के लिए भटकते हैं लोग

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जिस प्रकार से सालीचौका क्षेत्र का विकास हो रहा है उसे देखते हुए क्षेत्र के लोग अनेक जरूरी सुविधाओं के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है, क्षेत्रवासियों की परेशानियों को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद इस ओर क्षेत्र के नेताओं द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक बात साबित होने से नही चूक रहे है? वही दूसरी ओर यदि सालीचौका क्षेत्र की विकास गति पर गौर किया जावे तो जहां कृषि के क्षेत्र में सालीचौका को धान का कटोरा कहा जाता है। वही क्षेत्र में दो बड़ी बडी राईस मिलों के साथ साथ बड़ी बड़ी दो शुगर मिले भी संचालित हो रही है, वही व्यापक स्तर पर अनाज का व्यापार करने वाली व्यारियों के आलवा यहां पर उप पुलिस चौकी, शासकीय चिकित्सालय केन्द्र व बिजली आफिस तथा हायर सेकेण्डरी स्कूलों के आलवा देखा जावे तो सालीचौका क्षेत्र से आस पास के अनेक गांव जुडे हुये है जो सालीचौका की व्यवस्थाओं पर आधारित रहते है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में किसी बड़ी बैक की स्थापना न होना आम लोगों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण साबित होते हुए देखा जा रहा है, एक ओर जहां देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत देश को संपूर्ण विश्व में अलग दर्जा प्रदान करने की सोच रखते हुए डिजीटल बनाने की सोच रखते हुए संपूर्ण लेनदेन केश लेंस करने में लगे हुये है जिसके चलते लोगों के खाते बैकों में खुलबाने से हर लेने देन के कार्य को बैकों में माध्यम से कराना चाहते है। वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए भी हितग्राहियों के खातों में पैसा डालते हुए बैकों में माध्यम से उन तक पहुंचाया जा रहा है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में मात्र एक बैक के भरोसे क्या डिजीटल इंडिया होने का सपना पूरा हो पायेगा यह सिर्फ सोचने वाली बात ही नही बल्कि चिंता जनक सच्चाई है? इस प्रकार से देखा जावे तो यहां पर स्थित मात्र एक यूको बैक की ब्रांच होने के कारण लोगों का लेनदेन के लिए दिन भर भीड़ लगी हुई देखी जाती है। वही दूसरी ओर दूसरे गांवों से आने वाले लोग बैक के कार्यो के चलते दिन दिन भर बैक के सामने बैठे हुए दिखाई देते है, जिसमें इस समय केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किये जाने वाले प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर अन्य प्रकार की योजनाओं के तहत हितग्राहियों की राशि भी बैक के खातों में आने के कारण नगर की एक मात्र बैक ब्रांच में हितग्राहियों का अपनी राशि निकालने के लिए मेला लगते हुए दिखाई दे रहा है।

देवेन्द्र पटैल की शिकायत से कुछ वेयर हाऊस संचालकों में पैदा हुई बौख लाहट से प्रतीत हो रहा भैया कुछ न कुछ तो दाल में काला है...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय संपूर्ण जिले में मूंग खरीदी का विषय जहां चर्चाओं में छाया हुआ देखा जा रहा है तो दूसरी ओर अधिकारियों से लेकर किसानों के लिये परेशानी का कारण बनने से भी नही चूक रहा है..? क्योंकि अपनी आय में सुधार लाने की सोच रखते हुये जिस तरह क्षेत्र के अन्नदाताओं द्वारा चीलचीलाती धूप के बीच मेहनत करते हुये जब अपने खेतों में गर्मी सीजन की मूंग फसल तैयार की गई तो शुरूआती तौर पर सरकार द्वारा उनकी मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिये किसी तरह से कार्यवाही नही किये जाने के कारण अनेक छोटे किसानों द्वारा जहां ओने पोने दामों में मूंग विक्रय कर चुके है। जब सरकार द्वारा किसानों की समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदने की घोषणा की गई तब तक छोटे किसान अपनी मूंग का विक्रय कर चुके है और किसानों से मनमाने दामों में खरीदी गई मूंग का भण्डार बडे स्तर के किसानों या फिर सिर्फ व्यापारियों के पास ही देखने मिल रहा है? इस तरह सरकार द्वारा मूंग खरीदी के प्रक्रिया में की गई देरी का लाभ अब सिर्फ बडे किसानों व व्यापारियों को भर मिलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? इस तरह जब शासन प्रशासन द्वारा मूंग खरीदी की प्रक्रिया शुरू करते हुये उपार्जन करने के लिये केन्द्रो का निधारण करते हुये इस बात के आदेश जारी किये गये है कि मूंग खरीदी केन्द्र सिर्फ उन्ही बेयर हाऊसों को बनाया जावे जो WDRA के तहत मान्यता प्राप्त लाईसेंस धारी हो..यह आदेश संपूर्ण प्रदेश के लिये लागू किया गया है। मगर जब नरसिंहपुर जिले में मूंग

खरीदने के लिये जिला उपार्जन समिति द्वारा केन्द्र निर्धारित करने के लिये सूचना जारी की गई उसमें कुछ वेयर हाऊस इस तरह के सामने आये जो म.प्र.शासन की निति के विपरित दिखाई दे रहे है और जिनके पास WDRA के तहत मान्यता प्राप्त लाईसेंस धारी नही है निश्चित तौर से उन केन्द्रो को खरीदी केन्द्र बनाया जाना म.प्र. शासन की निति के विपरित माना जा रहा है । इस बात को लेकर समीपस्थ ग्राम जमाड़ा निवासी देवेन्द्र पटैल द्वारा म.प्र. शासन की निति को दर किनार करते हुये मूंग खरीदी के लिये निर्धारित किये गये केन्द्रो पर आपत्ति लेते हुये जिला कलेक्टर सहित प्रदेश के कृषि मंत्री सहित जिले के प्रभारी मंत्री के समक्ष शिकायत की गई। शुरूआती तौर में इस शिकायत न तो आम जनता के समझ में आसानी से आते हुये दिखाई दे रही थी और न ही मूंग खरीदी के कार्य को किसी भी स्थिति में प्रभावित करते हुये जान पड़ रही थी। सही मायने में देखा जावे तो देवेन्द्र पटैल की शिकायत म. प्र. शासन की मूंग खरीदी नीति के विपरित बनाये जाने वाले केन्द्रो को लेकर हुई थी जो संपूर्ण प्रदेश के लिये लागू हो रही थी। मगर इस शिकायत के बाद जिस तरह स्थानीय स्तर के कुछ बेयर संचालकों में अचानक बौखलाहट पैदा होने से देवेन्द्र पटैल द्वारा की गई शिकायत जहां सुर्खियों में आने से नही चूक पाई है। वही दूसरी ओर शासन द्वारा मूंग खरीदी के लिये निर्धारित किये गये केन्द्रो में हुई गफलबाजी की शिकायत के बाद जिस प्रकार से कुछ बेयर हाऊस संचालको में पैदा हुई बौखलाहट ने इस सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी गई कि मूंग खरीदी केन्द्रो के पीछे कोई बडा राज्य छिपा हुआ है इसके पीछे भैया कुछ न कुछ दाल में काला जरूर है तब तो संपूर्ण प्रदेश को छोड़ सिर्फ गाडरवारा क्षेत्र में ही यह बौखलाहट क्यों...? इस तरह देवेन्द्र पटैल द्वारा की गई शिकायत को बेयर हाऊस संचालको की बौखलाहट ने सुर्खियों में लाने के साथ साथ खुद के द्वारा खुद के पाव पर कुल्हाडी पटकने जैसा साबित करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है...? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि देवेन्द्र पटैल द्वारा जहां अपनी शिकायत में म.प्र. शासन की नीति के विपरित हो रहे कार्य के संबंध में की गई थी जिसके चलते उसकी जांच होने के बाद अधिकारी निर्णय लेकर कार्यवाही करने के सक्षम माने जाते है। मगर दूसरी ओर कुछ वेयर हाऊस संचालकों द्वारा शिकायत कर्ता के ही ऊपर मूंग खरीदी को प्रभावित करने का आरोप लगाया

जाना चर्चा का विषय बनने के साथ साथ चोर की दाड़ी में तिनका वाली कहावत को चरितार्थ करते हुये प्रतीत होने से नही चूक रहा है..? क्योंकि यह शिकायत प्रदेश स्तरीय थी न की गाडरवारा स्तर की। मगर इस शिकायत को लेकर प्रदेश के अन्य जिले या फिर तहसीलों से तो कही विरोध सुनाई नही दे रहा है सिर्फ गाडरवारा क्षेत्र के कुछ बेयर हाऊस संचालको की बौखलाहट इनके बेयर हाऊसों की सच्चाई गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई..? क्योंकि जब किसी भीड़ के बीच पुलिस द्वारा किसी आरोपी की खोज की जाती है तो पुलिस को देखकर उसकी हलचल उसकी सच्चाई को अपने आप ही उजागर कर देती है और सच्चाई अपने आप ही उजागर होकर सबके सामने आ जाती है..? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब म. प्र. शासन की नीति के तहत मूंग खरीदी का कार्य सिर्फ WDRA की श्रेणी वाले बेयर हाऊसों पर खरीदी करने के आदेश जारी किये गये है। यदि इस नियम के विपरित कोई कार्य हो रहा है तो उस पर आवाज उठाना आम बात है। यदि किसी के पास उस श्रेणी की सामग्री मौजूद ही नही है और अब बौखलाने लगे तो अपने आप ही हमारी सामग्री में गड़बड़ी की बू आने से नही चूक पाती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय हमारे जिले में मूंग खरीदी केन्द्रो को लेकर दिखाई देने से नही चूक पा रही है..। हाल यह बना हुआ है कि बगैर पात्रताधारी बेयर हाऊस संचालक अपने बेयर हाऊसों को खरीदी केन्द्र बनाये जाने का जो सपना संजोने के साथ अधिकारियों पर अपनी पहुंच के चलते प्रभाव डालने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही थी उसको मात्र एक आवेदन ने समाप्त कर दिया गया और अब उन्हें बेयर हाऊसों पर मूंग खरीदी की जाने की तैयारी की जा रही है जो म.प्र. शासन की निति के तहत बने हुये है। इस तरह किसी का बना बनाया काम बिगड़ जाना निश्चित तौर बौख लाहट पैदा करने की सच्चाई की पुष्टि करते हुये जान पड़ रहा है..? वही दूसरी ओर क्षेत्र के किसान अपनी मूंग फसल को विक्रय करने के लिये बेयर हाऊसों के सामने ट्रेक्टरों के साथ लाईन लगाये हुये खड़े देखे जा रहे है। सही मायने में देखा जावे तो तथा कथित बेयर हाऊस संचालको की मनमानी का परिणाम क्षेत्र के अन्नदाता किसानों को भोगने के लिये मजबूर हो रहा है और मूंग खरीदी के लिये निर्धारित की गई तिथि को भी एक सप्ताह से अधिक का समय बीते जाने के बाद मूंग खरीदी का कार्य शुरू नही हो पाया है..?

आखिर क्यों किया जा रहा है शासन प्रशासन द्वारा करोड़ों की शासकीय संपत्ति को नजरअंदाज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर में कुछ शासकीय इमारते ऐसी है जिनकी प्रशासन द्वारा उपेक्षा और उनके रख रखाब करने की अनदेखी की बजह से वे बदहाल होती चली जा रही है। इन जर्जन इमारतों का बारिश में ढहने का खतरा रहने के बाबजूद प्रशासन हरकत में नही आता जिसके कारण आंधियों, बारिश झेलने के बाद ये कीमती इमारते या तो खुद टूटने लगती है या फिर उनकी निर्माण सामग्री चोरी होने का सिलशिला शुरू हो जाता है जिसकी सच्चाई नगर में जहां तहां बनी हुई शासकीय इमारतों के बदहाल होने की स्थिति में दिखाई पड़ रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस लाईन में बने पुलिस कर्मियों के क्वार्टर, पुलिस की पुरानी चौकी परिसर में बने आरक्षकों के आवास, आवकारी विभाग का भवन तथा शासकीय अस्पताल के पास स्थित कर्मचारियों के निवासरत क्वाटर व अन्य कुछ शासकीय कार्यालयों में अंग्रेजो

के जमाने में निर्मित भवनों की हालत शोचनीय होती चली जा रही है। गौरतलब है कि नगर के पलोटन गंज इलाके में बने हुए कृषि विभाग और पुराने जनपद भवन को समय की मार पहले जर्जर कर दिया था, जिसके चलते वह खंडहर हो चुका है। कभी गुलजार रहने वाला जनपद भवन तो पूर्ण रूप से खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। बताया जाता है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के स्वामित्व में आने वाले उक्त बेशकीमती भवन के खपरे, सागौन की लकड़ियां सहित अन्य सामगीर गायब हो चुकी है तथा शेष रही भी लगातार गायब होती चली जा रही है तथा उसके भीतरी भाग में भीषण गंदगी व्याप्त होने के कारण जहरीली कीड़े जन्म ले रही है, इस हालत में पड़े हुए शासकीय भवनों को लेकर लोगों का कहना है कि पलोटन गंज का जनपद भवन कब ढहने की कगार पर आ जाए इसकी कल्पना नही की जा सकती है? वही लोगों कहना है कि यदि प्रशासन अपनी इस बेशकीमती संपत्ति को लेकर अच्छी सोच बनाये तो निश्चित ही यहां पर काम्पलेक्स सहित अन्य चीजों का निर्माण हो सकता है जिससे शासन को आये होने के साथ बेरोजागरो के लिए आय का साधन साबित हो सकता है? मगर प्रशासन की उदासीनता के चलते सह सब हो पाना मुश्किल ही जान पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

जिले में 6.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 6.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र जैतहरी में 1, बिजुरी में 25.6, पुष्पराजगढ़ में 6.4, अमरकंटक में 12 तथा बेनीबारी में 8.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा तथा वेंकटनगर में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

रीवा से मुंबई और पुणे की ट्रेनों को शहडोल, अनूपपुर बिलासपुर, रायपुर होकर चलाया जाए

अनूपपुर। रीवा से मुंबई और पुणे चलने वाली ट्रेनो को वाया जबलपुर से क्यों चलाया जा रहा है जबकि बिलासपुर, शहडोल, अनूपपुर और चिरमिरी अंबिकापुर से होकर रीवा जाने वाली ट्रेनें चल रही है तो क्या रीवा से चलने वाली ट्रेनें उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, बिलासपुर और रायपुर होकर क्यों नहीं चल सकती है। विगत 9 जुलाई को एक नई ट्रेन रीवा से पुणे नंबर- 20151/20152 रीवा-पुणे एक्सप्रेस वाया जबलपुर चलाई गई है। इसके पूर्व भी रीवा से मुंबई के लिए दो ट्रेनें नंबर- 15181/15182 एवं 20519/20520 चलाई गई जो वाया जबलपुर से ही चलती हैं। जबकि जबलपुर से मुंबई या पुणे के लिए पहले से ही कई ट्रेने हैं और जबलपुर से तो मुंबई और पुणे के लिए प्लेन की सुविधा भी है।रेलवे के इतिहास में यह हमेशा से रहा है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए मध्य पूर्व रेलवे हमेशा से पक्षपात पूर्ण रवैया रहा है जिस कारण से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से आने वाली ट्रेनों को भी कटनी जंक्शन और उसके आसपास के स्टेशनों में बेवजह लेट किया जाता है और सही समय पर चलने वाली ट्रेनें कटनी आने और कटनी से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की तरफ निकालने में ही कई कई घंटे लेट होती है क्या रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड इस ओर सैकड़ो वर्षों में भी ध्यान नहीं दे पाया है या यहां के अधिकारियों को मनमानी पूर्ण रवैया अपनाने की छूट दी गई है। दुर्भाग्य है शहडोल संभाग क्षेत्र का कि यहां के जन प्रतिनिधि जिनको हम विधायक सांसद और मंत्री कहते हैं यह चुनाव जीतने और मंत्री बनने के बाद से जनता की सुविधाओं और समस्याओं से मुंह मोड़ लेते हैं वैसे भी भाजपाई विधायकों सांसद और मंत्रियों की अक्षमता क्षेत्र के विकास और क्षेत्र की जनता की समस्याओं के प्रति अरुचि को प्रदर्शित करता है।

फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

अनूपपुर। थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा अपराध क्र. 224/25 धारा 119(1), 296, 351(3), 115(2), 3(5) बीएनएस का प्रकरण फरियादी विक्रम सिंह पिता स्व. राजकरण सिंह उम्र 37 साल निवासी वार्ड न 14 ईटा दफाई भालूमाडा का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट कराया रिपोर्ट पर उपरोक्त अपराध सदर कायम कर विवेचना की जा रही थी विवेचना के दौरान कई बार आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया गया पुलिस को चक्मा देकर फरार हो जाता रहा एवं लगातार 2 माह से फरार था जिसे 15 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर टीम द्वारा दबिश देकर आरोपी निहाल खान पिता अब्दुल जब्बार खान निवासी वार्ड क्र. 12 डबल स्टोरी भालूमाडा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर जे आर पर न्यायालय पेश किया गया माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल भेजा गया है। आरोपी के बिरुद्ध थाना कोतमा,थाना भालूमाडा, थाना जैतहरी में काई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

जनसुनवाई में प्राप्त हुए 63 आवेदन, कलेक्टर के निर्देशन में त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

डिंडौरी । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में जनसुनवाई आयोजित की गईए जिसमें जिले भर से आए नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं और शिकायतें प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 63 आवेदन प्राप्त हुएए जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। जिन मामलों में तत्काल निराकरण संभव नहीं हो पायाए उनमें संबंधित आवेदकों को निश्चित समय.सीमा में समाधान का आश्वासन दिया गया। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अनिल कुमारए एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम धनुआसागर के पीपल टोला क्षेत्र के रहवासियों ने जनसुनवाई में शिकायत की कि वहां संचालित पोल्ट्री फार्म से लगातार गंदगीए दुर्गंध और बीमारियों का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने इस फार्म को तत्काल बंद करने की मांग करते हुए बताया कि इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो रहा है। कलेक्टर ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। ग्राम सरई माल निवासी श्री देवी प्रसाद झारिया ने अपनी पुश्तैनी कृषि भूमि पर वन विभाग द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण कार्य को

अवैध बताते हुए उसे रुकवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि उक्त भूमि वर्षों से उनके परिवार की खेती योग्य जमीन रही है। कलेक्टर ने राजस्व और वन विभाग के संयुक्त निरीक्षण के बाद वस्तुस्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए। राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना अंतर्गत भूमि सर्वे में त्रुटि की शिकायत गणेश प्रसाद द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि सर्वे में भूमि सीमांकन ठीक से नहीं किया गयाए जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने दोबारा सर्वे की मांग रखीए जिस पर कलेक्टर ने राजस्व अमले को निर्देशित किया कि वे पुनः जांच कर आवश्यक सुधार करें। ग्राम बिछिया माल निवासी दुर्गा बाई ने जनसुनवाई में बताया कि प्रसव के उपरांत मिलने वाली सहायता राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने शीघ्र भुगतान की मांग कीए जिस पर महिला एवं बाल विकास विभाग को त्वरित जांच कर भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया। आवेदक श्री महेंद्र सिंह परस्ते ने जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोगों द्वारा उनकी निजी भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा हैए जिससे विवाद की स्थिति बन रही है। उन्होंने सुरक्षा और न्याय की मांग की। कलेक्टर ने राजस्व एवं पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने और आवेदक को सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम नागरिकों को प्रशासन के उच्च अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने का अवसर मिलाए जिससे आमजन को त्वरित न्याय और समाधान की दिशा में राहत मिली। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर सभाकक्ष में जिला पेंशन फोरम की बैठक संपन्न

सेवानिवृत्त व मृत शासकीय सेवकों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पेंशन फोरम की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पेंशन से जुड़े लंबित प्रकरणोंए भुगतान संबंधी मुद्दों तथा चिकित्सा सुविधाओं से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पेंशन अधिकारी श्री साकेत जैनए कोषालय अधिकारी श्री डीण्एनण्हजारियाए कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री अफजल इमाम उल्ला खानए सीएमओ नगर परिषद श्री अमित तिवारीए पीडब्ल्यूडी एसडीओए समस्त बीईओए समस्त पेंशनर्स सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में 30 जून 2025 तक सेवानिवृत्त एवं मृत शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों की जानकारी ली। जिसमें सभी कार्यालयों से कहा गया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों की संलग्न सूची में 30 जून 2025 तक सेवानिवृत्त या मृत हुए शासकीय सेवकों के लंबित पेंशन प्रकरणों की अद्यतन जानकारी कारण सहित प्रस्तुत करें। साथ ही भुगतान में देरी के कारणों को भी स्पष्ट किया जाए। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने आगामी छः माह एवं दो वर्षों में सेवा निवृत्त होने वाले कर्मियों की जानकारी सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि वे अपने यहां आगामी छः माह एवं दो वर्षों के भीतर सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों की जानकारी संकलित करेंए जिससे समय पर पेंशन प्रक्रियाएं प्रारंभ की जा सकें। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने पेंशनर्स को दी जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धताए खर्चए तथा स्वीकृत दावों की अद्यतन जानकारी के लिए सिविल सर्जनए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला आयुष अधिकारी को आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान संघ के सदस्यों ने स्वतंत्रता दिवसध्गणतंत्र दिवस में ध्वजारोहण हेतु चबूतरा निर्माण की मांग की। विभिन्न स्थानों जैसे. खनूजा कॉलोनीए साकेत नगर इत्यादि रहवासी क्षेत्र में नियमित साफ.सफाई की मांग रखी। पेंशनर संघ के कार्यालय संचालन हेतु भवन आवंटित का अनुरोध किया गया। साथ ही साथ नर्मदा पुल पार मुक्तिधाम में मरम्मत कार्य की मांग रखी। विभिन्न विभागों में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सेवानिवृत्त स्वत्वों के भुगतानए समयमानए क्रमोन्नति विभाग द्वारा समय में स्वीकृत करने की बात रखी। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अवकाश नगदीकरण भुगतान संबंधी समस्यों पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने बैठक के दौरान कहा कि सभी पेंशन संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निपटान हो ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लाभ में कोई विलंब न हो। इसके साथ ही चिकित्सा प्रतिपूर्ति एवं अन्य स्वत्वों के मामलों में पारदर्शिता एवं तत्परता बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

आईटीआई कॉलेज डिंडौरी में युवा संगम रोजगार मेले का सफल आयोजन, स्वास्थ्य सेवाएं भी रहीं केंद्र में

63 युवा एवं 42 युवतियों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग,स्वास्थ्य परामर्श और रोजगार के मिले अवसर

डिंडौरी। मध्य प्रदेश शासन की युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक और प्रभावशाली पहल देखने को मिली जब औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआईद डिंडौरी' में 'युवा संगम रोजगार मेला' का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन 'सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग' तथा 'स्वास्थ्य विभाग' के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के युवाओं को 'स्वरोजगार रोजगार और अप्रेंटिसशिप' के लिए अवसर उपलब्ध कराना था। यह आयोजन राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई युवा संगम नई दिशा पाओए उन्नति की ओर कदम बढ़ाओष योजना के अंतर्गत किया गयाए जिसके तहत प्रदेश के प्रत्येक संभाग में सप्ताहवार रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं की रही विशेष व्यवस्था

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के निर्देश परए 'मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण रमेश सिंह मरावी सिविल सर्जन डॉ अजय राज'ए तथा 'जिला नोडल अधिकारी डॉ जयश्री मरावी' के नेतृत्व में इस रोजगार मेले में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एनीमिया की स्क्रीनिंग' 'सिकल सेल परीक्षण''बीएमआई ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच' की गई और आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

युवाओं को दी गई महत्वपूर्ण परामर्श सेवाएं''

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम' के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्यए नशामुक्तिए पोषण' जैसे विषयों पर 'जिला अस्पताल परामर्शदाता नविता पटेल' द्वारा उपयोगी जानकारी दी गई। युवाओं को 'एनीमिया रोकथाम'ए 'सिकल सेल जांच'ए 'पोषण तिरंगा आहार योजना'ए 'परिवार नियोजन'ए 'मानसिक स्वास्थ्य' व 'एमटीपी परामर्श' के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान 'मनहित ऐप' इंस्टॉल कराया गया तथा 'मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन 14416' और 'जस्ट आस्क चैटबॉट' की जानकारी दी गई।

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और योजनाएं भी रहीं आकर्षण का केंद्र

मेले में युवाओं को 'आभा आईडी' और 'आयुष्मान भारत योजना' की जानकारी दी गई तथा कई प्रतिभागियों के मौके पर ही डिजिटल आईडी बनाए गए। साथ ही युवाओं को 'परिवार नियोजन उपायों' के प्रति जागरूक किया गया।

मोबाइल मेडिकल यूनिट की भी रही भागीदारी

पीएम जनमन कार्यक्रम' के तहत 'मेडिकल मोबाइल यूनिट' के माध्यम से भी युवाओं को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

विशिष्ट उपस्थितियां

इस आयोजन में 'प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी श्री शोभा सिंह मरावी आईटीआई डीटीओ श्री इमरान खान डॉण ऋषिकेश सिंह'ए 'डॉण त्रिवेणी ध्रुवे'ए 'डॉण हर्षवर्धन सिंह सीएचओ पूजा बर्मन'ए 'प्रशांत बनवासी' 'नवीन गुप्ता' 'राजवती मरावी' तथा 'जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र' के प्रतिनिधियों समेत 'प्राइवेट कंपनियों के सदस्य' भी मौजूद रहे।

भागीदारी में उत्साह

इस रोजगार मेले में '63 युवाओं और 42 युवतियों' ने सक्रिय भागीदारी कीए जिससे यह स्पष्ट हुआ कि जिले के युवा स्वरोजगार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में प्रेसवार्ता का आयोजन

जनहितकारी योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों की दी जानकारी

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के विकास को लेकर प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओंए विकास कार्योंए जनसुनवाई से प्राप्त समस्याओं के निराकरण एवं प्रशासनिक कार्यों की आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी गई। साथ ही साथ जल गंगा संवर्धनए फॉरेस्ट अतिक्रमणए बाढ आपदाए जनमन योजनाए आधार कार्डए छात्रावास में एडमीशनए लोक सेवा केन्द्र का संबंधित एसडीएम द्वारा नियमित निरीक्षणए सार्थक ऐपए छात्रावास में निवासरत बालक.बालिकाओं की सुदृढ व्यवस्थाओं पर चर्चाए सीसी टीव्ही कैमरेए छात्रावास में संचालित पेयजल व्यवस्था पर चर्चा की गई कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत प्रयासरत है। हाल ही में आयोजित जनसुनवाईए पेंशन फोरम बैठकए स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षाए छात्रावासों के निरीक्षण और मानसून को देखते हुए आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप हर पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचेए इसके लिए विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। साथ ही ग्रामीण अंचलों में चल रही योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। समयबद्ध जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समाधानएपेंशनरों के लंबित मामलों की समीक्षा एवं निराकरणए वर्षा और आपदा प्रबंधन की जिला स्तर पर तैयारीए छात्रावासोंए विद्यालयों और स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षणए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजलए बिजली एवं सड़क से जुड़े मुद्दों पर कार्यवाही की जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने अंत में मीडिया से अपील की कि वे प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर शासन की योजनाओं और जनहितकारी सूचनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएं।

छिटपुट कार्यवाही कर लूटी जा रही वाहवाही, माफियाओं के साथ सांठगांठ

जिले भर में संरक्षण और मिलीभगत से चल रहा शराब की अवैध बिक्री का खेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शहरी हो ग्रामीण थाना क्षेत्र शराब की अवैध बिक्री का कारोबार बेरोकटोक चल रहा है। राजनीतिक पकड़ और पुलिस से सांठगांठ कर माफियाओं द्वारा शराब की अवैध बिक्री से चांदी काटी जा रही हे। दिखावे के लिए छुट पुट कार्यवाही कर पुलिस वाहवाही लूट रही है जबकि शराब की अवैध बिक्री और पियक्कड़ो की बढ़ती फौज से गांव गांव माहौल अराजक हो चला है।

दरअसल शराब दुकानों के अपने नियम कायदे है। तय अनुबंध के तहत देशी या अंग्रेजी दुकानों से शराब केवल अनुमति वाले अड्डे से बेंची जा सकती है लेकिन अधिक मुनाफे के लिये शराब ठेकेदारों ने अपना ही संविधान लागू कर रखा है। हर गांव में चल रही पैकारी के लिये बकायदे एजेंट नियुक्त है। यहां शासन का कानून नही बल्कि ठेकेदार और उनके लठैत, गुर्गो का हुक्म चलता है जिससे कोई विरोध भी नहीं कर पाता। जिले के दूर-दराज के गांव में भी आसानी से शराब उपलब्ध हो रही है। कहने को तो 407 पंचायतों वाले जिले में महज 63 ही देशी-विदेशी मदिरा की दुकानें हैं लेकिन माफियाओं की तगड़ी सेटिंग से गांव-गांव अवैध शराब बेरोकटोक बिक रही है।

बदतर हो रहे हालात

शराब की अवैध बिक्री से जेबें तो अफसर और ठेकेदारों की भर रही है लेकिन शहर से गांव तक नित दिन पियक्कड़ों की बढ़ती फौज से लोगों की घर-गृहस्थी तबाह हो रही है। जिले में अधिकारियों के तबादला व पदस्थापना तो होते ही रहते हैं लेकिन शराब की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने में कोई भी सक्षम नहीं साबित हो पा रहा है। हालात दिनों दिन ज्यादा बदतर होते जा रहे हैं। गांव-गांव संचालित पैकारियों से कमीशन भी फिक्स किया गया है। कमीशन इसलिये दिया जाता है कि उसके एजेंट पर कोई आंच न आये और यदि कोई व्यक्ति बाहर से शराब लाकर बिक्री करता है तो उस पर कार्यवाही की जाये।

बढ़ रहा अपराधों का ग्राफ

नशे के आदी हो चुके युवा अपनी लत को पूरा करने के लिए अपराध करने से भी नहीं हिचकते। चोरी, लूट, डकैती सहित अन्य अपराधों के पीछे काफी हद तक नशा ही कारण साबित हो रहा है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने वाला इस दलदल में धंसता ही चला जाता है। नशे की लत को पूरी करने नशेड़ी अपराध के जाल में फंस जाता है। नशे से नशेड़ी की जिंदगी तो बर्बाद होती ही है, परिवार भी कंगाली की कगार पर पहुंच जाता है। शराब सहित गांजा, स्मैक व अन्य तरह के नशे के कारोबार को खत्म करने कानून का पालन सख्ती से करना होगा तभी अवैध कारोबार करने वालों पर लगाम लग सकेगी और माफियाओ में कानून का डर भी बना रहेगा। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जहां योजनाएं एवं सुविधाएं भी बमुश्किल पहुंचती हैं वहां भी आसानी से अवैध शराब उपलब्ध हो रही है। जिसके कारण मजदूर वर्ग बल्कि युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहा है। युवाओं और बड़ों को नशा करते देख किशोरवय उम्र वाले भी इसका शिकार होते जा रहे हैं। किशोरवय उम्र में नशे का सेवन शुरू कर देने से शारीरिक विकृतियों के साथ मानसिक दोष भी बढ़ रहे हैं। सबसे बुरा हाल मध्यम व मजदूर वर्ग के लोगों का है। इनकी आधी कमाई नशा माफियाओ की जेब में जा रही है और इनका परिवार तंगहाली और भुखमरी के लिए मजबूर है। शराब की अवैध बिक्री का कई बार विरोध किया गया लेकिन सांठगांठ के चलते अवैध कारोबार आबाद है। ऐसा भी नहीं है कि पुलिस द्वारा कभी कोई कार्यवाही ही नहीं की जाती, औपचारिकताएं निभाने के लिए छुटभैयों को पकड़ लिया जाता है लेकिन माफिया के गिरेबां तक हाथ जाए ऐसी कार्यवाही कम ही होती है। जिम्मेदारों की अनदेखी का खामियाजा आम लोगों को भी भोगना पड़ता है।

मवेशियों को सार्वजनिक मार्ग से हटाने का कार्यवाही

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दिलीप कुमार यादव द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुपालन एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशन में नगर निगम की हांका गेंग के कर्मचारियों द्वारा सोमवार प्रातः से अभियान चलाकर घुमंतू गोवंशों को सार्वजनिक मार्ग से हटाने की कार्यवाही की गई। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी नें बताया कि अभियान के तहत गठित दल के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा आवंटित क्षेत्रों मिशन चौक, बरगवां, माधवनगर गेट रिलायन्स पेट्रोल पंप से कलेक्ट्रेट कार्यालय होते हुए मित्तल मॉल, बिलहरी मोड़ से पीरबाबा तक सहित नदीपार स्थित चांडक चैक पेट्रोल पंप के पास रविदास चैराहा से इंडिया होटल, कुठला मुख्य मार्ग एवं नगर के अन्य मार्गो के घुमंतु 17 पशुओं को झिंझरी स्थित कांजी हाउस एवं अमीरगंज स्थित गौशाला भेजने की कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान जख्मी एवं बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय भेजा जाकर उपचार उपरां गौशाला भेजा गया।

खबर संक्षेप

पीड़ित ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

नरसिंहपुर। गत दिवस पीड़ति द्वारा कलेक्टर के नाम शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई। शिकायतकर्ता लोचन सिंह लोधी द्वारा दी गई शिकायत मे बताया गया कि मेरी पैतृक भूमि देवनगर नया तहसील गोटेगांव क्षेत्र के मौजा देवनगर पुराना मे खसरा नम्बर 148/1 रकवा 0.796 हेक्टेयर स्थित है। आवेदन मे बताया गया है कि लालसिंह लोधी द्वारा किसी अन्य विक्रेता से बाजू की भूमि 148/2 का क्रय किया गया एवं उक्त भूमि पर निर्माण कार्य किया जा रहा है निर्माण कार्य के दौरान लाल सिंह लोधी द्वारा मेरी निजी स्वामित्व की भूमि पर भी कब्जा कर लिया गया तथा खेत पर आने जाने का रास्ता भी बंद कर दिया गया। जिसे लेकर शिकायत भी की गई जिस पर भूमि का सीमांकन कराकर तहसीलदार द्वारा अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए गए लेकिन दबंग द्वारा कब्जा नही हटाया गया। कब्जा ना हटाने पर पुनः आवेदन तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसे पर सुनवाई करते हुए तहसीलदार गोटेगांव द्वारा उक्त शिकायत को यह कह बंद कर दिया गया कि उक्त प्रकरण की सुनवाई मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय मे विचाराधीन है। शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि उक्त हाईकोर्ट प्रकरण क्रमांक 5415/2025 किसी अन्य व्यक्ति का है। दबंग द्वारा तहसीलदार गोटेगांव को भी भ्रमित कर कार्रवाई पर रोक लगवा ली गई। पीड़ति किसान द्वारा कलेक्टर के नाम शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई। शिकायत में बताया गया है कि किसान के पास केवल 0.796 हे. कृषि भूमि है जिससे उसके परिवार का भरण पोषण होता है तथा उसी भूमि पर दबंग द्वारा धरमकाटा, गुड भटटी, हेंडपप तथा शौचालय बनाकर अवैध कब्जा किया गया है।

जनसुनवाई में आये 112 आवेदन

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई आयोजित की गई। आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। आवेदकों ने जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित अन्य अधिकारियों को अपनी- अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये और विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया गया। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 112 आवेदन प्राप्त हुए।

धान विक्रय करने वाले 362 किसानों के बैंक खाते आधार से नही है लिंक

नरसिंहपुर। राज्य शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग आयुक्त को पत्र के अनुसार मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना 2024 के अंतर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2024- 25 में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों को किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है। प्रोत्साहन राशि का भुगतान किसान के आधार लिंक खाते में किया जायेगा। जिले के अंतर्गत 362 किसानों के बैंक खाते आधार से लिंक नहीं है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने उपायुक्त सहकारिता एवं महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित नरसिंहपुर को जिन किसानों के बैंक आधार से लिंक नहीं हैं, उनकी सूची भेजी गई है। उन्होंने कहा है कि वे संबंधित खरीदी केन्द्र को निर्देशित कर संबंधित किसानों के बैंक खाते आधार से लिंक कराने संबंधी कार्यवाही दो दिवस में पूर्ण करायें। उन्होंने यह भी कहा है कि 17 जुलाई तक वस्तुस्थिति का पालन प्रतिवेदन जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर के कार्यालय को उपलब्ध करायें, जिससे शासन को वस्तुस्थिति से अवगत कराया जा सके।

मूंग खरीदी केंद्रों में अनियमित्ताएं, किसानों ने सौंपा ज्ञापन

बढ़ाए जाएं मूंग खरीदी केन्द्र

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले में मूंग और उडद की खरीदी के लिए बनाए गए केंद्रो में भारी अनियमितताएं और समस्याओं व्याप्त है जिससे किसानों को भारी परेशानी हो रही है वहीं पक्षपात पूर्ण तरीके से वेयरहाउस लिए गए हैं जिससे कई सवाल उठ रहे हैं। अनाज की समय पर तुलाई भी नहीं हो पा रही। इसे लेकर किसानों में रोष है। कृषि एवं किसानों की समर्थन मूल्य से संबंधित ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द की खरीदी में आने वाली समस्याओं के समाधान करने के लिए भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

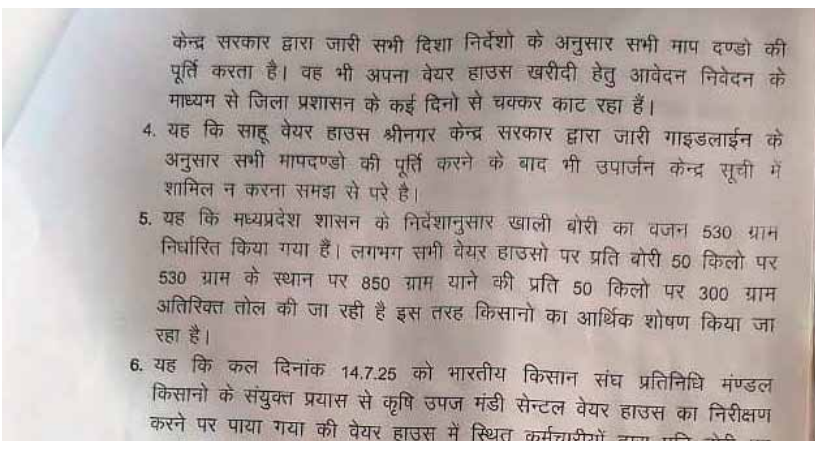

केन्द्र सरकार द्वारा जारी सभी दिशा निर्देशो के अनुसार सभी माप दण्डो की पूर्ति करता है। वह भी अपना वेयर हाउस खरीदी हेतु आवेदन निवेदन के माध्यम से जिला प्रशासन के कई दिनो से चक्कर काट रहा हैं।

4. यह कि साहू वेयर हाउस श्रीनगर केन्द्र सरकार द्वारा जारी गाइडलाईन के अनुसार सभी मापदण्डो की पूर्ति करने के बाद भी उपार्जन केन्द्र सूची में शामिल न करना समझ से परे है।
5. यह कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार खाली बोरी का वजन 530 ग्राम निर्धारित किया गया हैं। लगभग सभी वेयर हाउसो पर प्रति बोरी 50 किलो पर 530 ग्राम के स्थान पर 850 ग्राम याने की प्रति 50 किलो पर 300 ग्राम अतिरिक्त तोल की जा रही है इस तरह किसानो का आर्थिक शोषण किया जा रहा है।
6. यह कि कल दिनांक 14.7.25 को भारतीय किसान संघ प्रतिनिधि मंण्डल किसानो के संयुक्त प्रयास से कृषि उपज मंडी सेन्टल वेयर हाउस का निरीक्षण करने पर पाया गया की वेयर हाउस में स्थित कर्मचारियों

मूंग खरीदी के लिए बढ़ाए जाए वेयर हाउस

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि म. प्र. सरकार द्वारा 8 अगस्त तक मूंग एवं उड़द उपार्जन की तिथि तय की गई है जिसमें जिला प्रशासन बडी मुश्किल से 1.7.25 को 14 वेयर हाउसो में से यदा कदा कुछ वियर हाउसो पर खरीदी प्रारंभ करा पाया है। किसानो का एक सप्ताह का कीमती समय जिला प्रशासन उदासीनता की भेंट चढ़ गया। डब्लूडी. आर. ए लाइसेंस की बाध्यता से समर्थन मूल्य का कार्य अधर लटका हुआ है। उक्त 14 वेयर हाउस मूंग एवं उडद उपार्जन हेतु ऊट के में जीरा के समान है। जिला प्रशासन समय सीमा में खरीदी सम्पन्न कराने हेतु वेयर हाउस की संख्या बढ़ाने हेतु विकल्प तलाश रही है वहीं डब्लू. डी. आर.ए. लाइसेंसधारी साहू वेयर हाउस गोटेगांव तहसील के अंतर्गत श्रीनगर में स्थित है। केन्द्र सरकार द्वारा जारी सभी दिशा निर्देशो के अनुसार सभी माप दण्डो की पूर्ति करता है। यह भी अपना वेयर हाउस खरीदी हेतु आवेदन निवेदन के माध्यम से जिला प्रशासन के कई दिनो से चक्कर काट रहा है।

किसानों से ली अतिरिक्त मूंग

ऐसे और भी मामले हैं। जारी गाइडलाइन के अनुसार सभी मानदंडों की पूर्ति करने के बाद भी उपार्जन केंद्र ना बनाना समझ से परे है। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार खाली बोरी का वजन 530 ग्राम निर्धारित किया गया हैं। लगभग सभी वेयर हाउसो पर प्रति बोरी 50 किलो पर 530 ग्राम के स्थान पर 850 ग्राम याने की प्रति 50 किलों पर 300 ग्राम अत्तिरिक्त तोल की जा रही है इस तरह किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। दिनांक 14.7.25 को भारतीय किसान संघ प्रतिनिधि मंण्डल किसानो के संयुक्त प्रयास से कृषि उपज मंडी सेन्टल वेयर हाउस का निरीक्षण करने पर पाया गया की वेयर हाउस में स्थित कर्मचारीयों द्वारा प्रति बोरी पर 50 किलो 800 ग्राम की तौल की जा रही है जो कि 50 किलो 550 ग्राम की तौल की जाना चाहिए। जिले सभी वेयर हाउसों पर तत्कालीन समस्या समाधान हेतु टोल नंबर जारी किया जावे।

जाँच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग

वेयर हाउसो पर समय - समय पर जॉच हेतु कमेटी गठित की जावे। भारतीय किसान संघ की मांग है कि साहू वेयर हाउस उपार्जन हेतु स्वीकृति प्रदान करते हुए अन्य जितने भी वेयर हाउस डब्लू डी. आर. ए. की बाध्यता के कारण होल्ड पर है उनमें समर्थन मूल्य पर खरीदी हेतु पहल की जाए। जिससे समयाविधि में खरीदी हो सके। एवं अनिमितताओं की जाँच कर दोषीयों पर कार्यवाही की जावे अन्यथा की स्थिति में भारतीय किसान संघ आंदोलन की ओर अग्रेषित होगा। ज्ञापन सौंपते समय स्वदेश कोठारी प्रांत मंत्री, अनिरुद्ध पटेल संभागीय अध्यक्ष, संतोष पटेल जिला अध्यक्ष, विष्णु प्रसाद पटेल कोषाध्यक्ष, अनिल पटेल करेली अध्यक्ष, गोधन पटेल अध्यक्ष सरदार सिंह पटेल, भाव सिंह पटेल, मोहन भाई, चंद्रभान बढ़कर, रामेश्वर प्रसाद, गिरधारी भाई पटेल एवं अन्य किसान उपस्थित थे।

अन्नदाताओं के साथ लूट, मनमाफिक दामों में बेच रहे कीटनाशक व खाद

हरिभूमि न्यूज - गोटेगांव।

बीते कुछ दिनों से नगर की खाद्य दुकान के संचालकों द्वारा यूरिया डीएपी एवं कीटनाशक दवाओं को मूल्य से अधिक मनमाने तरीके से ऊंचे दामों में बेचा जा रहा है जबकि प्रशासन द्वारा खाद्य दुकानों पर रेट लिस्ट चस्पा करने को आदेशित किया गया है लेकिन नगर की सभी दुकानों पर किसी प्रकार की कोई रेट लिस्ट नहीं चस्पा की गई है और अन्नदाताओं को धड़ल्ले से लुटा जा रहा है, नगर की खाद्य दुकानों द्वारा की जा रही इस तरह की कालाबाजारी से परेशान होकर भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत तहसील इकाई गोटेगांव के तत्वाधान में आक्रोशित किसानों ने कृषि विभाग कार्यालय पहुंचकर वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी आरएन त्रिपाठी से शिकायत कर किसानों के साथ हो रही लूट एवं अपनी समस्याओं को लेकर मांग की है कि किसानों को स्थानीय दुकानदार कीटनाशक खाद व दबाएं ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं और बहुत से चिन्हित वेयरहाउस में किसानों की मूंग भी नहीं खरीदी जा रही है इन समस्याओं को लेकर समाधान हेतु वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी आर.एन त्रिपाठी को एक सामूहिक शिकायत कर लूट करने वाले दुकान संचालकों के ऊपर कार्यवाही की मांग की हैं इस अवसर पर यशवंत पटेल अभिषेक पटेल तुलाराम लोधी मनोज पटेल मुन्ना लाल पटेल सरदारसिंह उमरा कंछेदी पटेल राजेश पटेल लाल साहब सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

इनका कहना

इस संबंध में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी आर.एन त्रिपाठी ने उपस्थित किसानों को आश्वासन दिया और कहा आपकी जो भी समस्याएं हैं उन्हें हम जल्द ही समाधान कर ऐसे दुकान संचालकों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी गोटेगांव

श्री गीता निकुंज परिवार का त्रैमासिक अनौपचारिक मिलन सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

श्रीमद्भगवद गीता पर स्वाध्याय, चिंतन मनन हेतु देशव्यापी संस्थान श्रीगीता निकुञ्ज परिवार विगत तीन वर्षों से नरसिंहपुर नगर से संचालित है। जिसमें देश के कई प्रदेश के गीता साधक नियमित, पाक्षिक, त्रैमासिक तथा वार्षिक गतिविधियों में सहभागिता करते हैं ।उसी कड़ी में त्रैमासिक अनौपचारिक मिलन का कार्यक्रम गायत्री शक्तिपीठ नरसिंहपुर में गीता साधकों की सहभागिता से सम्पन्न हुआ। समाज में अनौपचारिक मेल -मिलाप, बच्चो, युवाओं, वृद्धों में अनौपचारिकता का समागम है। यह मिलन हमारी परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन हेतु श्री गीता निकुंज आयोजित आयोजित करता है। जिसमें नगर व जिले के 35 साधकों की सहभागिता रही। अनौपचारिक मिलन कार्यक्रम प्रथम सत्र परिचय के साथ प्रारम्भ हुआ। जिसमें साधकों ने नाम-काम-धाम और गीता निकुञ्ज परिवार से जुड़कर जीवन में क्या अनुभव किया तथा अपने व्यवहार में क्या परिवर्तन हुआ बताते हुए अपने-अपने भाव प्रकट किए। द्वितीय सत्र सहभोज का रहा। तृतीय सत्र में भारतीय खेलों का आयोजन किया गया जिसमें ज्ञान वर्धक व प्रसन्नता के खेल खिलाये गए सभी खेलों में प्रतिभागियों द्वारा आनंद और उत्साह के साथ सहभागिता की गई। चतुर्थ-सत्र में श्री गीता निकुञ्ज परिवार में साधकों की संख्या में निरन्तर वृद्धि के साथ उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आये और वह परिवर्तन उनके व्यवहार में दिखे इसपर चिंतन मनन करते हुए सभी साधकों ने विचार रखे। कार्यक्रम में परिचय-सत्र का संचालन श्री गीता निकुञ्ज की संस्थापक सदस्य यमुना विश्वकर्मा ने किया।खेल गतिविधियों का संचालन संस्थान के प्रदेश संयोजक जयनारायण शर्मा ने किया तथा श्रीमद्भगवद गीता के ज्ञान के बल पर व्यक्तित्व विकास एवं जीवन में सकरात्मक परिवर्तन विषय का प्रतिपादन गीता निकुञ्ज परिवार के मार्गदर्शक व व्याख्याकार श्रध्देय शशिकांत मिश्रा ने किया।

डैम में डूबे दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज - गोटेगांव।

थाना गोटेगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत सर्रा के चिरचिटा गांव में बने डैम में डूब जाने से दो युवकों की मौत हो जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने थाना गोटेगांव में दी वहीं मौके पर जानकारी के उपरांत पहुंची पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी नायब तहसीलदार मौके पर मौजूद, थाना गोटेगांव एसडीओपी मनीष त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी के अनुसार डैम पर मछली मारने के लिए दो युवक पहुंचे थे जिनकी गहरे पानी में डूब जाने से मौत हो गई स्थानीय लोगों से पता करने पर जानकारी मिली मृतक राजा यादव पिता रामजी यादव उम्र 19 वर्ष देगुवां बैरोडा निवासी और दूसरा युवक राजकुमार ठाकुर उम्र 20 वर्ष श्री देव मुरलीधर के पास गोटेगांव निवासी बताया गया और दोनों की डेड बॉडी को गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू की गई है।

जिले में अब तक 619.8 मिमी अर्थात 24.40 इंच वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 15 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 619.8 मिमी अर्थात 24.40 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 15 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में शून्य वर्षा दर्ज की गई है। 15 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 645 मिमी, गाडरवारा में 697, गोटेगांव में 576 मिमी, करेली में 562 मिमी और तेंदूखेड़ा में 619 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 188 मिमी अर्थात 7.40 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 162 मिमी, गाडरवारा में 235 मिमी, गोटेगांव में 231 मिमी, करेली में 108 और तेन्दूखेड़ा में 204 मिमी वर्षा हुई थी।

भक्ति भाव हर्षोल्लास के साथ हुई आर्यिका सिद्धांतमति माताजी ससंघ के चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस संत शिरोमणि आचार्य भगवान श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज की परम शिष्या एवं आचार्य भगवन श्री समयसागर महाराज की आज्ञा से 105 आर्यिका सिद्धांतमति माताजी 105 आर्यिका पुनीतमति माताजी 105 आर्यिका विनय मति माताजी का मंगलमय चातुर्मास धर्मनगरी तेंदूखेडा में हो रहा है।मंगल कलश की स्थापना जैन मंदिर प्रांगण चिन्मयसागर सभागार में भक्ति भाव एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई ।इस भव्य आयोजन में गंजबासौदा बरगी करेली बरेला नरसिंहपुर गाडरवारा बरमान डोभी साईंखेडा जबलपुर ललितपुर वहादुरपुर एवं अनेक स्थानों से सैकड़ो श्रद्धालु माता जी के दर्शन करके उनका आशीर्वाद लेने एवं मंगल कलश स्थापना में सहभागी बनने के लिए उपस्थित हुये । सकल दिगंबर जैन समाज तेंदूखेड़ा ने भक्ति भाव के साथ एवं श्रद्धा भाव के साथ आगंतुक अतिथियों का सत्कार एवं बहुमान किया। सर्वप्रथम ध्वजारोहण संपन्न हुआ तदुपरांत आचार्य भगवान श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन मंगलाचरण के साथ आचार्य भगवान की भक्ति और श्रद्धा भाव से धूमधाम से पूजन की गई। इस कार्यक्रम का निर्देशन वाणी भूषण बाल ब्रह्मचारी विनय भैया एवं बाल ब्रम्हचारी संजीव भैया पंडित कमल कुमार शास्त्री तेंदूखेड़ा के द्वारा किया गया।कार्यक्रम का संचालन महीष मोदी के द्वारा किया गया। आर्यिका संघ का मंगल सानिध्य तेंदूखेड़ा नगर को आगामी चार माह तक निरंतर प्राप्त होगा।

जिसमें प्रतिदिन दैनिक पूजन पाठ के साथ विभिन्न धर्म ग्रंथो की कक्षाएं लगेगी स्वाध्याय होगा एवं श्रावकगण माता जी को नवधा भक्ति से आहार देकर उनकी भैया वृत्ति करके पुण्यार्जन करेंगे एवं अपने जीवन को धन्य करने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे।

समाज और राष्ट्र की एकता अखंडता के लिए काम करता है संघ गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं समर्पण अवसर पर बोले विभाग प्रचारक

तेंदूखेड़ा। वर्ष 1925 को 16 स्वयं सेवकों के साथ शुरू हुआ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आज 66 हजार शाखाओं का संचालन करते हुए समाज हितों को लेकर काम करने वाला सबसे बड़ी संख्या वाला संगठन बन गया है।जो अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। हिंदू समाज के सर्वांगीण हितों को लेकर 6 उत्सवों को मनाता चला आ रहा है।संघ के संस्थापक पूज्य डा हेडगेवार तथा भगवा ध्वज को अपना गुरु बनाया है।जो गुरु पूर्णिमा पर्व पर उत्साह पूर्वक समर्पण के रुप में मनाता चला आ रहा है। उक्त विचार सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं समर्पण पर्व के अवसर पर विभाग प्रचारक जबलपुर क्षेत्र श्री आनंद जी के द्वारा व्यक्त किए गए।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में क्षेत्र के विद्वान पंडित ओमप्रकाश शास्त्री तथा खंड कार्यवाहक दीपक शेकटकर थे। मुख्य वक्ता श्री आनंद जी ने काफी विस्तार से गुरु महिमा का वर्णन करते हुए व्यास पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रुप में मनाये जाने पर चर्चा की तथा प्रथम गुरु मां दूसरा गुरु जो हमें अंधकार से प्रकाश की और ले जाता है। युगदृष्टा डा हेडगेवार जी के द्वारा तेज शौर्य पराक्रम चारित्रिक और पुरुषार्थ वाले स्वयं सेवकों का निर्माण शाखाओं के माध्यम से काम किया। तथा समाज के बीच जनजागरण करने वाले प्रचारकों के माध्यम से सबल सामर्थ्य बान हिंदू समाज के निर्माण की दिशा में काम किया जा रहा है। यदि हिन्दू समाज एकजुट संगठित नहीं हुआ तो आने वाले समय में दिक्कतें होगी इसलिए अपनी संस्कृति संस्कार और समृद्ध शाली राष्ट निर्माण के लिए सभी वर्गों का सहयोग जरूरी है।